अतियंत गोपनीय -केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतू

माध्यमिक विधालय परीक्षा, मार्च-2020

अक-योजना : **सामाजिक विज्ञान**

SUBJECT कोड संख्या : 087   PAPER कोड : 32/2/2

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें। **मूल्यांकन हम सबके लिए 10-12 दिन का मिशन है अतः यह आवश्यक है कि आप इसमें अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।**

2. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ। कक्षा दसवीं के प्रश्नपत्र में दिए गए दक्षता आधारित(competency based) दो प्रश्नों का मूल्यांकन करने में कृपया विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें; उनके उत्तर चाहे अंक-योजना में दिए गए उत्तर से मेल न खाते हों तब भी सही दक्षताओं की परिगणना की गई हो तो अंक दिए जाने चाहिए।**

3. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (**×**)। मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

5. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**

6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

10. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की बीस उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

11. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं –

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर या दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्द में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त निशान ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।

12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।

14. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।

15. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

16. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परिषद पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देती है।

माध्यमिक विद्यालय परीक्षा (मार्च- 2020)

सामाजिक विज्ञान (087)

अंकन योजना 32/2/2

MM-80

QNO	अपेक्षित उत्तर / मूल्य अंक अनुभाग - क	PAGE NO.	MARKS
1.	. D / रूस को जर्मन महासंघ के ३९ राज्य सौंपे गए	H-11	1
2.	. बेगार- बिना किसी पारिश्रमिक के काम करवाना	H-59	1
3.	**संगठित और असंगठित क्षेत्र के बीच अंतर** **संगठित क्षेत्र** i. रोजगार नियमित हैं। ii. नियमों और विनियमों का पालन किया जाता है। iii. वैतनिक अवकाश ,भविष्य निधि, दी जातीहै (किसी को भी समझाया जाना) **असंगठित क्षेत्र** i. रोजगार नियमित नहीं हैं। ii. नियमों और विनियमों का पालन नहीं किया जाता है। iii. वैतनिक अवकाश ,भविष्य निधि,नहीं दी जाती है (किसी एक को भी समझाया जाना) **अथवा** **प्रच्छन्न बेरोजगारी** एक गतिविधि में जब आवश्यकता से अधिक लोग लगे होते हैं, यह प्रच्छन्न रोजगार के अंतर्गत आता है: इसे बेरोजगारी के रूप में भी जाना जाता है।	E-30 E-26	1 1
4.	द्वितीयक क्षेत्र के विकास के लिए उपाय i. नई और अग्रिम प्रौद्योगिकी को अपनाना। ii. सेवा प्रशिक्षण कार्यक्रमों में। iii. माध्यमिक क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा प्रोत्साहन प्रदान किया जाना। iv. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (उपरोक्त में से कोई एक)	E-20	1

5.	तालिका आधारित प्रश्न केरल	**E-7**	**1**
6.	d / शहर की अमीर परिवार की एक लड़की iv। उसने भाई के सामान आज़ादी मांगी	**E-4**	**1**
7.	**महिलाओं को समानता** i. सरकार द्वारा सभी क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं को समान वेतन के लिए बनाए गए कानूनों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। ii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु **अथवा** **पारिवारिक कानून** i. सभी धर्मों द्वारा बनाए गए पारिवारिक कानूनों में महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव और अत्याचार नहीं किया जाना चाहिए। ii. हर परिवार द्वारा छोटे परिवार के मानदंडों का पालन किया जाता है। iii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (उपरोक्त में से कोई एक)	**D.P-43** **D.P-46**	**1** **1**
8.	(d)/ संघ सरकार, राज्य सरकार एवं स्थानीय निकाय के मध्य	**D.P-8**	**1**
9.	**कांडला** - **अथवा** **कोलकाता**	**G-88** **G-88**	**1** **1**
10.	**a/** गुजरात	**G-61**	**1**
11.	जापान	**H-154**	**1**
12.	**आयात शुल्क**- किसी दूसरे देश से आने वाली चीज़ों पर वसूल किया जाने वाला शुल्क I **अथवा** **फ्लाई शटल** यह रस्सियों और पुलियों के जरिये चलने वाला एक यांत्रिक औज़ार है जिसका बुनाई के लिए इस्तेमाल किया जाता है I	**H-100** **H-122**	**1** **1**

13.	**(b)** डच और फ्रेंच	**D.P-2**	**1**
14.	. **बहुसंख्यकवाद**- अगर कोई समुदाय बहुसंख्यक है तो वह अपने मनमाने ढंग से देश का शासन कर सकते है और अल्पसख्यक समुदाय की जरूरतों की अवहेलना कर सकता है।	**D.P-3**	**1**
15.	पुर्तगाली अथवा तामिल	**H-168** **H-168**	**1** **1**
16.	**(a)**/ / वे सस्ती और छोटे आकार की थी।	**H-162**	**1**
17.	**a)** छपाई के चलते ज्ञानोदय के चिंतको के विचारो का प्रसार हुआ।	**H-163**	**1**
18.	**रिक्त स्थान भरें** A- सामुदायिक संसाधन B- व्यक्तिगत संसाधन	**G-2**	**½ +½=1**
19.	**(c)** / बॉक्साइट की खदाने (iii) ओडिशा	**G-55**	**1**
20.	<u>रिक्त स्थान भरें</u> <u>जैसलमेर</u>	**G-62**	**1**
21.	**अनुभाग - ख** **संगठित क्षेत्र के श्रमिकों को रोजगार की सुरक्षा** i. रोजगार की शर्तें नियमित हैं ii. वैतनिक अवकाश और मेडिकल लीव। iii. ग्रेच्युटी और भविष्य निधि। iv. न्यूनतम मजदूरी में कटौती। v. काम के निश्चित घंटे। vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु (समग्र रूप से मूल्यांकन **अथवा** **सभी सेवाएँ समान रूप से नहीं बढ़ रही हैं** i. भारत में सेवा अनुभागक्षेत्र में विभिन्न प्रकार के लोग हैं ii. एक ओर सीमित संख्या में सेवाएं हैं जो कुशल और शिक्षित श्रमिक अत्यधिक रोजगार देती हैं iii. दूसरे ओर परबहुत बड़ी संख्या में श्रमिक लगे हुए हैं -छोटे दुकानदारों,	**E-30-31** **E-25**	**3** **3**

	मरम्मत व्यक्तियों, परिवहन जैसी सेवाओं में व्यक्ति,। iv. ये लोग बमुश्किल एक जीविका कमाने के लिए प्रबंधन करते हैं v. उनके लिए कोई वैकल्पिक अवसर नहीं है। vi. इस कारण सेवा क्षेत्रक के ेकेवळ कुछ भागों का ही महत्व बढ़ रहा है vii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (समग्र रूप से मूल्यांकन किया जाए)		
22.	**भारत में जूट उद्योग को प्रमुख समस्याओं** i. कृत्रिम विकल्प (सिंथेटिक)से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा। ii. बांग्लादेश, ब्राजील, फिलीपींस, मिस्र और थाईलैंड जैसे प्रतियोगी देश। iii. अतर्राष्ट्रीय मांग में वृद्धि। iv. भारत में जूट पैकेजिंग के अनिवार्य उपयोग की सरकारी नीति ने अंतर्राष्ट्रीय बाजार को प्रभावित किया। v. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्ही तीन बिंदुओं वर्णन **अथवा** **एक क्षेत्र में उद्योगों के स्थान को प्रभावित करने वाले कारक।** i. कच्चे माल की उपलब्धता। ii. सस्ते श्रम की उपलब्धता। iii. पूंजी की उपलब्धता iv. शक्ति की स्थिरता v. बाजार से निकटता vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किसी भी तीन बिंदुओं का वर्णन *नोट- यदि कोई परीक्षार्थी अंग्रेजी माध्यम में प्रश्न संख्या 22 को नहीं लिखता है तो भी उसे पूर्ण अंक दिए जा सकते हैं (3 अंक)*	**G-70** **G-66**	**3** **3**
23.	**संघ सूची के लक्षण** i. संघ सूची में राष्ट्रीय महत्व के विषय शामिल हैं। ii. देश की रक्षा, विदेशी मामलों बैंकिंग, संचार और मुद्रा के विषय में शामिल हैं iii. संघ सरकार अपने विषयों पर कानून बना सकती है। vi. पूरे राष्ट्र के लिए समान नीति बनाने का आधार हैं। vii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्ही तीन बिंदुओं का वर्णन	**D.P-16**	**3**

24.	**अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की उन्नति** i. इसे किसी देश का आर्थिक वैभव का सूचक माना जाता है। ii. निर्यात और आयात एक व्यापार के घटक हैं। iii. जब निर्यात का मूल्य आयात के मूल्य से अधिक हो जाता है तो इसे व्यापार का अनुकूल संतुलन कहा जाता है। iv. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विदेशी मुद्रा अर्जित करने में मदद करता है। v. दुनिया के सभी प्रमुख व्यापारिक ब्लॉकों के साथ भारत के व्यापारिक संबंध हैं। vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किसी भी तीन का वर्णन	**G-91**	**3**
25.	**स्रोत आधारित प्रश्न** 21.1 **ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ लड़ने के लिए महात्मा गांधी का हथियार।** (1) (i) असहयोग आंदोलन। 21.2 *अंग्रेज़ भारत में कैसे जमे* *(1)* (i) भारतीयों के सहयोग के कारण। 21.3 *असहयोग को आंदोलन बनाने के लिए गांधीजी के विचार।* (1) i. गांधीजी ने प्रस्ताव दिया कि असहयोग को आंदोलन कुछ चरणों में बनाया जाना चाहिए। ii. उपाधियों का समर्पण। iii. सिविल सेवाओं, सेना, पुलिस, अदालतों का बहिष्कार iv. परिषदों, स्कूलों और विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार v. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्ही एक बिंदु की व्याख्या	**H-57**	**1+1+1=3**
26.	**ब्रिटेन में कॉर्न लॉ को समाप्त करने के तीन प्रभाव** i. बहुत कम कीमत पर खाद्य पदार्थो का आयात किया जाने लगा I ii. आयातित खाद्य पदार्थो की लगत ब्रिटैन में पैदा होने वाले खाध पदार्थो से कम थीI iii. ब्रिटिश किसानो की हालत बिगड़ने लगी क्योंकि वह उस कीमत का मुक़ाबला नहीं क्र सकते थेI iv. विशाल भूभागों पर खेती बंद हो गयी I v. हजारों पुरुषों और महिलाओं को काम से बाहर कर दिया गया। vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।	**H-81**	**3**

	किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या **अथवा** **अंतराष्ट्रीय बाजार में भरता के रेशमी और सूती उत्पादों के प्रभशाली होने के कारण** i. भारत के कपास और रेशम की बेहतर गुणवत्ता। ii. यहां के बने कपड़ों के थान पहाड़ी दर्रो से रेगिस्तान के पार ले जाये जाते थे iii. औउपनिवेषिक बंदरगाहों से समुद्री व्यापर चलता था , जैसे सूरत iv. कोरोमंडल तट पर मछलीपट्नम और बंगाल में हुगली के माध्यम से भी दक्षिण पूर्वी एशियाई बंदरगाहों के साथ खूब व्यापर चलता था v. सूरत भारत को खाड़ी और लाल समुद्री बंदरगाहों से जोड़ता है। vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या	**H-113**	**3**
27.	**पर्यावरणीय धारणीयता में सुधार के तरीके** i. गैर-नवीकरणीय संसाधनों जैसे- कोयला, पेट्रोलियम, लकड़ी आदि का उपयोग कम से कम करना। ii. भूजल का अत्यधिक उपयोग बंद करो iii. ऊर्जा के गैर पारंपरिक स्रोत जैसे- सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा आदि का उपयोग करना। iv. नदियों में पानी छोड़ने से पहले गर्म पानी और औद्योगिक अपशिष्टों का उपचार। v. पारिस्थितिक संतुलन के पोषण के लिए ग्रीन बेल्ट प्रदान करना। vi. सभी प्रकार के प्रदूषण को कम करना - वायु, जल, भूमि और शोर। vii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिंदुओं का का वर्णन	**E-15**	**3**
28.	**भारतीय राजनीति में सांप्रदायिकता की समस्या** i. साम्प्रदायिकता की अभिव्यक्ति दैनिक जीवन में दिखती है ii. धार्मिक पूर्वाग्रहों, धार्मिक समुदायों की रूढ़ियां और अन्य धर्मों के मुकाबले किसी एक धर्म की श्रेष्ठता में विश्वास। iii. राजनितिक पार्टियां समर्थन हासिल करने के लिए जातिगत भावनाओ को उकसाते हैं iv. सार्वभौम व्यसक मत्तधिकार और 'एक व्यक्ति- एक वोट' की व्यवस्था ने राजनितिक समर्थन पाने और लोगो को गोलबंद करने के लिए सक्रिय v. कभी-कभी संचार सांप्रदायिक हिंसा, दंगों और नरसंहार का कारण बन सकता है। vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंद किन्ही तीन बिंदुओं का वर्णन **अथवा**	**D.P-47**	**3**

	भारतीय विधायिका में महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व की समस्याएं। i. भारत अभी भी पुरुष प्रधान है, पितृसत्तात्मक समाज है। ii. महिलाओं में कानून की साक्षरता दर। iii. महिलाओं की समस्याओं पर उचित ध्यान नहीं दिया जाता है। iv. महिलाओं के लिए लोकसभा में एक तिहाई सीटों के आरक्षण का एक दशक से अधिक समय से लंबित है। v. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किन्ही भी तीन बिंदुओं का वर्णन	**D.P-44**	**3**
29.	**अनुभाग - ग** **ओटो-वॉन बिस्मार्क की भूमिका** i. ओटो वॉन बिस्मार्क जर्मनी के एकीकरण के लिए की गई प्रक्रिया के जनक थे । ii. इस प्रक्रिया में उन्होंने प्रशा की सेना और नौकरशाही की मदद ली। iii. उन्होंने ऑस्ट्रिया, डेनमार्क और फ्रांस के साथ सात वर्षों तक तीन युद्ध लड़े। iv. प्रशा की जीत के साथ युद्ध समाप्त हो गए और जर्मनी के एकीकरण की प्रक्रिया का अनुपालन किया। v. जनवरी 1871 में, प्रशा के राजा, विलियम I को जर्मन सम्राट घोषित किया गया था। vi. जर्मनी में राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया ने प्रशा राज्य शक्ति के प्रभुत्व का प्रदर्शन किया। vii. जर्मनी में मुद्रा, बैंकिंग, कानूनी और न्यायिक प्रणाली का आधुनिकीकरण किया गया। viii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (समग्र रूप से मूल्यांकन किया जाए) **अथवा** **जयुत्सेपे मेत्सिनी की भूमिका** i. एक क्रांतिकारी थे। ii. उन्होंने गणराज्य के एकीकरण के लिए एक कार्यक्रम की मांग की । iii. उन्होंने अपने लक्ष्यों के प्रसार के लिए यंग इटली नामक एक गुप्त समाज का गठन किया। iv. 1831 और 1843 में क्रांतिकारी विद्रोह की विफलता के बाद इटली के एकीकरण की जिम्मेदारी सरडिनिया पिडमॉन्ट राजा विक्टर इमैनुअल द्वितीय पर आ गई । v. 1861 में विक्टर इमैनुएल II को संयुक्त इटली का राजा घोषित किया गया था। vi. एक एकीकृत इटली के लिए उन्होंने आर्थिक विकास और राजनीतिक प्रभुत्व की संभावना की पेशकश की।	**H-19** **H-20**	**5** **5**

	vii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (समग्र रूप से मूल्यांकन किया जाए)		
30.	**जीविका निर्वाह और वाणिज्यिक कृषि के बीच भेद** **जीविका निर्वाह** i. यह भूमि के छोटे पैमाने पर की जाती है। ii. पुराने उपकरण जैसे कुदाल, हल और खोदने के लिए इस्तेमाल किये जाते है iii. इस प्रकार की खेती मानसून और प्राकृतिक उर्वरता पर निर्भर करती है। iv. पारिवारिक / सामुदायिक श्रम पर निर्भर करता है। v. कम उत्पादन vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु **वाणिज्यिक कृषि** i. एकल फसल बड़े क्षेत्र में उगाई जाती है। ii. इस प्रकार की खेती में नई तकनीक का उपयोग किया जाता है। iii. रासायनिक उर्वरकों की उच्च खुराक, HYV बीज, कीटनाशकों का इस्तेमाल किया। iv. पूंजी गहन आदानों और प्रवासी मजदूरों के साथ किया। v. अधिक उत्पादन vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु	**G-34-35**	**5**
31.	**भारतीय जनता पार्टी की विशेषताएं** i. तत्कालीन भारतीय जनसंघ को पुनर्जीवित करके 1980 में स्थापित किया गया। ii. सांस्कृतिक राष्ट्रवाद या हिंदू धर्म इसकी महत्वपूर्ण अवधारणा है। iii. भारत के साथ जम्मू-कश्मीर का पूर्ण क्षेत्रीय और राजनीतिक एकीकरण चाहता है। iv. देश में रहने वाले सभी लोगों के लिए एक समान नागरिक संहिता चाहता है। v. पार्टी धार्मिक रूपांतरण के खिलाफ है। vi. 1998,2014,2019 में सत्ता में आई। vii. पार्टी का पूरे भारत में समर्थन है। viii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु समग्र रूप में आंका जाना।)	**H-80**	**5**

32.	**स्रोत आधारित प्रश्न** **स्रोत ए- जवाबदेह, उत्तरदायी और वैध सरकार।** 32.1 *लोकतांत्रिक सरकार नागरिकों को राजनीतिक निर्णय लेने का हिस्सा कैसे बनाती है?* i) यह सुनिश्चित करके कि लोगों को अपना शासक चुनने और उन पर नियंत्रण रखने का अधिकार होगा। ii) नागरिक अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से निर्णय लेने में सक्षम हैं। (1) iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किसी को भी समझाया जाए **स्रोत बी- आर्थिक और संवृद्धि विकास** 32.2 *किस हद तक हम कह सकते हैं कि लोकतंत्र आर्थिक विकास के लिए काम करता है?* i. लोकतंत्र लोगों के कल्याण के लिए काम करता है ii. लोकतंत्र आर्थिक विकास को बढ़ावा देने का प्रयास करता है iii. सरकार गरीबी और असमानता को कम करने का प्रयास करती है iv. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किसी भी दो बिंदुओं की व्याख्या (2) **स्रोत सी - नागरिकों की गरिमा और स्वतंत्रता** 32.3 *किस हद तक लोकतंत्र व्यक्ति की गरिमा और स्वतंत्रता को बढ़ावा देता है?* i. लोकतंत्र ने वंचित और भेदभाव वाली जातियों और अल्पसंख्यकों को समान दर्जा और समान अवसर प्रदान करके उनके हितो मजबूत किया है। उदाहरण - अस्पृश्यता को कानून द्वारा समाप्त कर दिया गया है। ii. महिलाओं के साथ सम्मान और समान व्यवहार। iii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किसी भी दो बिंदुओं की व्याख्या (2)	**DP** **91, 93, 97**	**(1+2+2= 5)**
33.	**भारतीय रिजर्व बैंक** i. भारतीय रिजर्व बैंक ऋण के औपचारिक स्रोतों के कामकाज का पर्यवेक्षण करता है। ii. RBI वास्तव में नकदी संतुलन बनाए रखने के लिए बैंकों की निगरानी करता है। iii. RBI यह सुनिश्चित करता है कि बैंक न केवल लाभ कमाने वाले	**E-48**	**5**

	व्यवसाय और व्यापार को बल्कि छोटे कृषक और लघु उद्योग और किसानों को भी ऋण दें। iv. समय-समय पर बैंकों को RBI को यह जानकारी देनी होती है कि वे किसको और किस ब्याज दर पर ऋण दे रहे हैं। v. RBI यह देखती है कि क्या बैंक अपने द्वारा प्राप्त की गई जमा राशि में से न्यूनतम नकदी शेष रखते हैं या नहीं। vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्ही पांच बिंदुओं की व्याख्या **अथवा** **स्वयं सहायता समूह** i. ग्रामीण गरीब महिलाएं विशेष रूप से स्वयं सहायता समूह का आयोजन करती हैं और अपनी बचत को पूल करती हैं। ii. सदस्य अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए समूह से छोटे ऋण ले सकते हैं। iii. समूह ऋण पर बहुत कम ब्याज दर लेता है। iv. स्वयं सहायता समूह उधारकर्ताओं को संपार्श्विक (कोलाटर्स) की कमी की समस्या को दूर करने में मदद करते हैं। v. एक या दो वर्षों के बाद यदि समूह बचत करने में नियमित होता है तो वह बैंक से ऋण प्राप्त करने के लिए पात्र हो जाता है। vi. ऋण ,समूह के नाम पर दिया जाता है जो अपने सदस्यों को रोजगार के अवसर पैदा करते हैं। vii. कार्यशील पूंजी की जरूरतों के लिए अपने सदस्यों को छोटे ऋण प्रदान किए जाते हैं- बीज, उर्वरक, कच्चा माल, सिलाई मशीन आदि खरीदना। viii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (समग्र रूप से मूल्यांकन किया जाए)	**E-51**	**5**
34.	**वैश्वीकरण के प्रभाव** i. वैश्वीकरण ने स्थानीय और विदेशी दोनों उत्पादकों के बीच अधिक प्रतिस्पर्धा पैदा की है। ii. कई वस्तुओं की गुणवत्ता और कम कीमतों में सुधार का आनंद लेने के लिए उपभोक्ताओं के सामने अधिक विकल्प हैं। iii. लोग अब एक दिन जीवन स्तर का आनंद लेते हैं। iv. बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भारत में अपना निवेश बढ़ाया है। v. कई शीर्ष भारतीय कंपनियों को बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा से लाभान्वित किया गया है। vi. वैश्वीकरण ने कुछ बड़ी भारतीय कंपनियों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों के	**E-67-68**	**5**

	रूप में उभरने में सक्षम बनाया है, जैसे- टाटा मोटर्स, इंफोसिस, रैनबैक्सी आदि vii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्ही पाँच बिंदुओं की व्याख्या		
35.	**35A और 35-B के लिए भरे हुए मानचित्र देखें** **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए** **35.1 पंजाब** **३५.२ अहमदाबाद** **35.3 मद्रास** **35.4 उत्तराखंड** **35.5 छत्तीसगढ़** **35.6 कर्नाटक** **35.7 उत्तर प्रदेश** **35.8 तमिलनाडु**		**2+4=6** **1X6=6**

प्रश्न सं. 35 के लिए मानचित्र
Map for Q. No. 35

32/2/1 , 32/2/2 , 32/2/3